अध्याय - 1 फ्रांसीसी क्रांति

स्मरणीय तथ्य

- 14 जुलाई 1789 ई. को सैन्य किले और जेल के रूप में मशहूर बास्तील का पतन हुआ।
- बास्तील के किले को ढहा कर उसके अवशेष बाजार में बेच दिए गए।
- सम्राट् की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक होने के कारण बास्तील किला लोगों की घृणा का केंद्र था।
- ऑस्ट्रिया की राजकुमारी मेरी एन्तोएनेन का विवाह फ्रांस के सम्राट् लुई XVI से हुआ।
- लंबे समय तक चले युद्धों के कारण फ्रांस के वित्तीय संसाधन नष्ट हो चुके थे।
- 18 वीं सदी में फ्रांसीसी समाज तीन एस्टेट्स में बँटा हुआ था - पादरी वर्ग पहले, कुलीन वर्ग दूसरे जबकि शेष तीसरे एस्टेट्स से संबंधित थे।
- फ्रांस की जनसंख्या सन् 1715 ई. में 2.3 करोड़ थी जो सन् 1789 ई. में बढ़कर 2.8 करोड़ हो गई।
- स्वतंत्रता, समान नियमों तथा समान अवसरों के विचार पर आधारित समाज की परिकल्पना जॉन लॉक और ज्याँ जाक रूसो जैसे दार्शनिकों ने प्रस्तुत की थी।
- फ्रांसीसी सम्राट अपनी मर्जी से कर नहीं लगा सकता था। इसके लिये उसे एस्टेट्स जेनराल (प्रतिनिधि सभा) की बैठक बुला कर नए करों के अपने प्रस्तावों पर मंजूरी लेनी पड़ती थी।
- 20 जून को तृतीय एस्टेट्स के प्रतिनिधि वर्साय के इन्डोर टेनिस कोर्ट में जमा हुए और अपने आप को नेशनल असेंबली घोषित कर दिये।
- नवनिर्वाचित असेंबली को कन्वेंशन का नाम दिया गया था। इसके द्वारा 21 सितम्बर 1792 ई. को राजतंत्र का अंत कर फ्रांस को एक गणतंत्र घोषित किया गया।
- लुई XVI को 1793 ई. में प्लेस डी लॉ कॉन्कॉर्ड में सार्वजनिक रूप से फाँसी दे दी गई।
- रोबेस्प्येर ने नियंत्रण एवं दंड की सख्त नीति अपनाई।
- रोबेस्प्येर सरकार ने कानून बनाकर मजदूरी एवं कीमतों की अधिकतम सीमा तय कर दी तथा मांस और पावरोटी की राशनिंग भी कर दी।
- परंपरागत मॉन्स्यूर (महाशय) एवं मदाम (महोदया) के स्थान पर सभी फ्रांसीसी पुरुषों एवं महिलाओं को सितोयेन (नागरिक) एवं सितोयीन (नागरिका) नाम से संबोधित किया जाने लगा।
- मध्यवर्ग द्वारा निर्मित नये संविधान में दो चुनी गई विधान परिषदों का प्रावधान था। इन परिषदों ने पांच सदस्यों वाली एक कार्यपालिका - डिरेक्ट्री को नियुक्त किया।
- जैकोविनों के शासनकाल में एक व्यक्ति केंद्रित कार्यपालिका थी।
- डिरेक्टरों के झगड़े तथा राजनीतिक अस्थिरता ने सैनिक तानाशाह - नेपोलियन बोनापार्ट के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।
- 5 अक्टूबर 1789 ई. को महिलाएँ पेरिस से वर्साय जाकर राजा को अपने साथ लेकर लौटी थीं। तीसरे एस्टेट्स की अधिकांश महिलाएँ जीविका निर्वाह के लिये काम करती थीं।
- केवल कुलीनों अथवा तीसरे एस्टेट्स के धनी परिवारों की लड़कियाँ ही कॉन्वेंट में पढ़ पाती थीं।
- महिलाओं ने अपने हितों के हिमायत करने और उन पर चर्चा करने के लिये खुद के राजनीतिक क्लब शुरू किये और अखबार निकाले।
- क्रांतिकारी सरकार ने लड़कियों के लिये स्कूली शिक्षा को अनिवार्य बना दिया।
- आतंक राज के दौरान महिला क्लबों को बंद कर दिया गया तथा कई महिलाओं को गिरफ्तार कर फाँसी पर भी चढ़ा दिया गया।
- बागानों में श्रम की कमी को यूरोप, अफ्रीका एवं अमेरिका के बीच त्रिकोणीय दास-व्यापार द्वारा पूरा किया गया।
- फ्रांसीसी सौदागर अफ्रीकी तट से दास खरीदते थे। दासों को दाग कर एवं हथकड़ियाँ डाल कर जहाज में ठूंस दिया जाता था।
- दासों को कैरिबिआई देशों के बगान - मालिकों को बेच दिया जाता था।
- सेंसरशिप की समाप्ति के बाद फ्रांस के शहरों में अखबारों, पर्चो, पुस्तकों एवं छपी तस्वीरों की बाढ़ आ गई।
- नेपोलियन खुद को यूरोप के आधुनिकीकरण का अग्रदूत मानता था।
- फ्रांस में 1830 ई. में जुलाई क्रांति हुई।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बास्तील का किला किस शहर में स्थित था?

a. पेरिस　　b. कान

c. ल्योन　　d. नांत

2. बास्तील के जेल से कुल कितने कैदी छुड़ा लिए गए थे?

a. 5　　b. 15

c. 7　　d. 17

3. फ्रांस की क्रांति के समय किस राजवंश का शासन था ?

a. टिब्रे　　b. लिब्रे

c. बूर्बो　　d. इनमें से कोई नहीं।।

4. फ्रांसीसी क्रांति के समय फ्रांस का राजा कौन था?

a. लुई XI b. लुई XIV
c. लुई XVI d. लुई XVII

5. सम्राट लुई XVI का विवाह किस देश की राजकुमारी से हुआ?

a. ऑस्ट्रिया b. इंग्लैण्ड
c. जर्मनी d. ऑस्ट्रेलिया

6. लुई XVI के राज्यारोहण के समय राज्य की स्थिति कैसी थी?

a. राजकोष खाली था।
b. राजकोष भरा हुआ था ।
b. राजकोष आधा भरा हुआ था।
d. इनमें से कोई नहीं।।

7. वर्साय का महल किस शहर में स्थित था ?

a. वर्साय b. पेरिस
c. कान d. इनमें से कोई नहीं।।

8. अमेरिका किस देश का उपनिवेश था ?

a. फ़्रांस b. जर्मनी
c. इटली d. इंग्लैण्ड

9. लिव्रे किस देश की मुद्रा थी ?

a. फ़्रांस b. जर्मनी
c. अमेरिका d. इंग्लैण्ड

10. 18वीं सदी में फ्रांसीसी समाज कितने एस्टेट्स में बंटा हुआ था ?

a. पाँच b. चार
c. तीन d. आठ

11. फ्रांसीसी सामाज के कौन से लोग कर अदा करते थे ?

a. पहले एस्टेट्स b. दूसरे एस्टेट्स
c. तीसरे एस्टेट्स d. सभी एस्टेट्स

12. 18 वीं सदी के फ़्रांस में कितने प्रतिशत लोग किसान थे?

a. 40 b. 70
c. 90 d. 95

13. इनमें से कौन तृतीय एस्टेट्स में शामिल नहीं था ?

a. पादरी वर्ग b. बड़े व्यवसायी
c. वकील d. नौकर

14. निम्नांकित में से किस वर्ग को कुछ विशेषाधिकार जन्मना प्राप्त थे ?

a. प्रथम एस्टेट्स b. द्वितीय एस्टेट्स
c. a एवं b दोनों d. सभी एस्टेट्स

15. टाइद (धार्मिक कर) को किसानों से वसूलने का अधिकार किसे था ?

a. प्रथम एस्टेट्स b. द्वितीय एस्टेट्स
c. a एवं b दोनों d. सभी एस्टेट्स

16. फ्रांस की मुद्रा लिव्रे को कब समाप्त कर दिया गया?

a. 1792 ई. b. 1794 ई.
c. 1796 ई. d. 1798 ई.

17. चर्च द्वारा वसूल किया जाने वाला टाइद कर कृषि उपज का कितना हिस्सा लिया जाता था?

a. 1/4 हिस्सा b. 1/8 हिस्सा
c. 1/10 हिस्सा d. 1/20 हिस्सा

18. टाइल कर किसे अदा किया जाता था?

a. पादरी वर्ग b. कुलीन वर्ग
c. सीधे राज्य को। d. इनमें से कोई नहीं।।

19. एक अनाम चित्र में कुलीन व्यक्ति को मकड़ा से तुलना किया गया है, जबकि किसान की तुलना ......

a. मच्छर b. मक्खी
c. मधुमक्खी d. इनमें से कोई नहीं।।

20. फ्रांस की जनसंख्या 1715 ई. में कितनी थी?

a. 2.3 करोड़ b. 2.8 करोड़
c. 3.2 करोड़ d. 1.3 करोड़

21. 18वीं सदी में एक नए सामाजिक समूह का उदय हुआ जिसे किस नाम से संबोधित किया जाता है ?

a. कुलीन वर्ग b. पादरी वर्ग
c. मध्य वर्ग d. इनमें से कोई नहीं।।

22. राजा के दैवी और निरंकुश अधिकारों के सिद्धांत का खंडन किया था ?

a. जॉन लॉक b. ज्याँ जाक रूसो
c. मॉन्तेस्क्यू d. इनमें से कोई नहीं।।

23. जनता और उसके प्रतिनिधियों के बीच एक सामाजिक अनुबंध पर आधारित सरकार का प्रस्ताव, किसने रखा था ?

a. जॉन लॉक b. रूसो
c. मॉन्तेस्क्यू d. इनमें से कोई नहीं।।

24. 'स्पिरिट ऑफ द लॉज' नामक रचना के रचनाकार कौन हैं ?

a. जॉन लॉक b. रूसो
c. मॉन्तेस्क्यू d. इनमें से कोई नहीं।।

25. संयुक्त राज्य अमेरिका के कितने उपनिवेशों ने ब्रिटेन से खुद को आज़ाद घोषित कर दिया था ?

a. 11 b. 12
c. 13 d. 14

26. फ्रांस की क्रांति के पूर्व एस्टेट्स जेनराल की अंतिम बैठक कब बुलाई गई थी ?

a. 1600 ई. b. 1608 ई.
c. 1614 ई. d. 1624 ई.

27. लुई XVI ने नये करों के प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए एस्टेट्स जेनराल की बैठक कब बुलाई?

a. 05 मार्च 1789 b. 15 अप्रैल 1789
c. 05 मई 1789 d. 25 जून 1789

28. निम्नांकित में से किसका प्रतिनिधि सभा की बैठक में प्रवेश वर्जित नहीं था ?

a. किसानों b. औरतों
c. कारीगरों d. वकीलों

29. तृतीय एस्टेट्स का नेतृत्व किनके हाथों में था ?

a. मिराब्यो b. आबे सिए
c. a और b दोनों। d. इनमें से कोई नहीं।।

30. 'तृतीय एस्टेट क्या है?'- शीर्षक से एक पम्पलेट किसने लिखी?

a. मिराब्यो b. आबे सिए
c. रूसो d. वाल्टेयर

31. फ्रांस कब संवैधानिक राजतंत्र बन गया?

a. 1789 ई. b. 1790 ई.
c. 1791 ई. d. 1792 ई.

32. नेशनल असेम्बली के चुनाव में मतदाता बनने की आवश्यक योग्यता क्या थी ?

a. 25 वर्ष से अधिक उम्र।
b. कम से कम तीन दिन की मजदूरी के बराबर कर चुकता हो।
c. पुरुष होना चाहिए।
d. सभी आवश्यक थे।

33. 'टूटी हुई जंजीर' प्रतीक- के क्या मायने थे ?

a. एकता b. आजादी
c. अज्ञानता d. इनमें से कोई नहीं।।

34. शाही सत्ता का प्रतीक है –

a. अपनी पूँछ मुँह में लिए साँप।
b. त्रिभुज के अन्दर रोशनी बिखेरती आँख ।
c. राजदण्ड।
d. छड़ों का बर्छीदार गट्ठर।

35. फ़्रांस का राष्ट्रीय रंग क्या थे ?

a. नीला b. सफेद
c. लाल d. सभी

36. नेशनल असेम्बली ने प्रशा एवं ऑस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कब की ?

a. 1792 ई. b. 1790 ई.
c. 1789 ई. d. 1794 ई.

37. रॉजेट दि लाइल द्वारा रचित 'मार्सिले' किस देश का राष्ट्रगान है ?

a. ऑस्ट्रिया b. इंगलैण्ड
c. जर्मनी d. फ़्रांस

38. जैकोबिन क्लब के सदस्य कौन थे ?

a. छोटे दुकानदार b. कारीगर
c. दिहाड़ी मजदूर d. सभी

39. किस वर्ग ने गोदी कामगारों की तरह धारीदार लंबी पतलून पहनने का निर्णय किया था ?

a. कुलीन b. पादरी
c. जैकोबिन d. वकील

40. फ़्रांस में ब्रीचेस(घुटन्ना) कौन पहनते थे ?

a. कुलीन b. पादरी
c. जैकोबिन d. उपर्युक्त सभी।

41. कॉन्वेंट क्या था ?

a. धार्मिक जीवन को समर्पित समूह की इमारत।
b. धार्मिक जीवन को समर्पित मैदान ।
c. राजनीतिक जीवन से सम्बंधित पुस्तक ।
d. इनमें से कोई नहीं।।

42. 'सौ कुलॉत' से आप क्या समझते हैं ?

a. जैकोबिनो को सौ कुलॉत के नाम से जाना जाता था ।
b. इसका शाब्दिक अर्थ होता है – बिना घुटन्ने वाले ।
c. सौ कुलॉत पुरुष लाल रंग की टोपी भी पहनते थे ।
d. सभी सही है ।

43. लुई XVI को किस आरोप में 21 जनवरी 1793 ई. को फाँसी दे दी गई ?

a. हत्या b. लूट
c. देशद्रोह d. इनमें से कोई नहीं।।

44. फ़्रांस के इतिहास में किस कालखंड को 'आतंक का युग' के नाम से जानते हैं ?

a. 1790 ई. से 1792 ई. तक ।
b 1793 ई. से 1794 ई. तक ।
c. 1793 ई. से 1795 ई. तक।
d. 1794 ई. से 1796 ई. तक।

45. 'गिलोटिन' क्या था ?

a. एक पुस्तक का नाम।
b. खेती करने का मशीन।
c. सिर कलम करने का मशीन।
d. मनोरंजन की वस्तु।

46. जैकोबिन सरकार के पतन के बाद सत्ता किनके हाथ में आ गई ?

a. मध्य वर्ग के संपन्न तबके। b. मध्य वर्ग के कमजोर तबके
c. उच्च वर्ग। d. निम्न वर्ग।

47. फ़्रांस में महिलाओं को मताधिकार कब प्राप्त हुआ?

a. 1942 ई. b. 1946 ई.
c. 1756 ई. d. 1768 ई.

48. ओलंप दे गूज को 'पुरुष एवं नागरिक अधिकार घोषणा पत्र' का विरोध करने के कारण – कब फाँसी दी गई ?

a. 1793 ई. b. 1794 ई.
c. 1795 ई. d. 1796 ई.

49. फ़्रांस के बोर्दे और नान्ते बंदरगाह किस चीज के व्यापार के कारण समृद्ध बन गया था ?

a. मसालें b. कपड़े

c. दासों d. अनाज

50. दास व्यापार कब प्रारंभ हुआ ?

a. 16 वीं शताब्दी b. 17 वीं शताब्दी

c. 18 वीं शताब्दी d. 19 वीं शताब्दी

51. फ्रांसीसी उपनिवेशों से अंतिम रूप से दास-प्रथा का उन्मूलन कब किया गया ?

a. 1840 ई. b. 1848 ई.

c. 1844 ई. d. 1846 ई.

52. 'नीग्रो' शब्द किनके लिए इस्तेमाल किया जाता है ?

a. एशिया की एक खास जनजाति ।

b. सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में रहने वाले स्थानीय लोग।

c. अरब देशों के खानाबदोश जाति।

d. इनमें से कोई नहीं।।

53. नेपोलियन बोनापार्ट ने खुद को फ़्रांस का सम्राट कब घोषित किया था ?

a. 1800 ई. b. 1802 ई.

c. 1804 ई. d. 1806 ई.

54. वॉटरलू का महत्वपूर्ण युद्ध कब हुआ, जिसमें नेपोलियन की हार हुई थी ?

a. 1810 ई. b. 1815 ई.

c. 1816 ई. d. 1817 ई.

55. टीपू सुल्तान और राजा राममोहन राय किस विदेशी क्रांति से सबसे ज्यादा प्रभावित थे ?

a. इंग्लैण्ड की क्रांति b. रूस की क्रांति

c. अमेरिका की क्रांति d. फ़्रांस की क्रांति

56. 1794 ई. में कन्वेंशन द्वारा फ़्रांसिसी उपनिवेशों से दास- मुक्ति का कानून पारित करने के कितने वर्षों बाद नेपोलियन द्वारा दास - प्रथा पुनः प्रारंभ किया गया?

a. पाँच b. सात

c. आठ d. दस

57. 'औरत जन्मना स्वतंत्र है और आधिकारों में पुरुष के सामान है'- यह विचार पहली बार किसके घोषणापत्र के माध्यम से रखा गया ?

a. ओलम्प दे गूज b. रूसो

c. वाल्टेयर d. रोबेस्प्येर

58. रोबेस्प्येर को कब गिलोटिन पर चढ़ाया गया ?

a. 1792 ई. b. 1793 ई.

c. 1794 ई. d. 1795 ई.

59. फ़्रांस में डैनो वाली स्त्री किस चीज का मानवीय रूप थी?

a. कानून b. प्रशासन

c. शिक्षा d. इनमें से कोई नहीं। ।

60. दास स्वतंत्र होने के बाद किस प्रकार की टोपी पहनते थे?

a. पीला टोपी b. सफ़ेद टोपी

c. लाल फ्राइजियन टोपी d. हरे रंग की टोपी

61. 1790 के दशक में निर्मित संविधान के अनुसार किन्हें निष्क्रिय नागरिक कहा गया ?

a. बेरोजगार।

b. ज्यादा सोने वाले ।

c. मतदान से वंचित पुरुष एवं महिलाएँ।

d. इनमें से कोई नहीं। ।

62. सम्राट की शक्तियों पर अंकुश लगाने और सभी मनुष्यों को मूलभूत अधिकार प्रदान करने के लिए संविधान कब बनाया गया?

a. 1790 ई. b. 1791 ई.

c. 1792 ई. d. 1793 ई.

63. किस विद्वान ने अपनी रचना 'द स्प्रिरिट ऑफ द लॉज' में सरकार के अन्दर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता विभाजन की बात कही ?

a. वाल्टेयर b. रूसो

c. मॉन्तेस्क्यू d. दिदरो

64. तीसरा एस्टेट का नेतृत्व करने वाले आबे सिए मूलतः क्या थे?

a. कुलीन b. पादरी

c. किसान d. जैकोबिन

65. तीसरे एस्टेट के एक प्रभावशाली नेता मिराब्यो कैसे परिवार से सम्बंधित थे ?

a. कुलीन b. पादरी

c. किसान d. मजदूर

66. नेशनल असेम्बली ने 4 अगस्त 1789 ई. को कौन सा आदेश पारित किया ?

a. सामंती व्यवस्था का उन्मूलन।

b. धार्मिक कर समाप्त करना ।

c. चर्च के स्वामित्व वाली भूमि जब्त करना।

d. उपर्युक्त सभी।

67. 'ज्याँ पॉल मरा' नामक पत्रकार ने लामि द पप्ल में नेशनल असेम्बली द्वारा तैयार संबिधान पर कैसी प्रतिक्रिया दी ?

a. प्रशंसा b. विरोध

c. कोई प्रतिक्रिया नहीं दी । d. समर्थन

68. गिलोटिन के आविष्कारक कौन थे ?

a. वाल्टेयर b. रूसो

c. मॉन्तेस्क्यू d. डॉ. गिलोटिन

69. समता रोटी क्या थी ?

a. सफ़ेद आटें से निर्मित रोटी ।

b. साबुत गेहूँ से बनी बराबरी का प्रतीक रोटी ।

c. सुंदर दिखने वाली रोटी।

d. मीठी रोटी ।

70. क्रांति के समय महिलायों के कितने क्लब अस्तित्व में थे ?

a. 40 b. 50

c. 55 d. 60

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1	a	19	b	37	d	55	d
2	c	20	a	38	d	56	d
3	c	21	c	39	c	57	a
4	c	22	a	40	a	58	c
5	a	23	b	41	a	59	a
6	a	24	c	42	d	60	c
7	a	25	c	42	c	61	c
8	d	26	c	44	b	62	b
9	a	27	c	45	c	63	c
10	c	28	d	46	a	64	b
11	c	29	c	47	b	65	a
12	c	30	b	48	a	66	d
13	a	31	c	49	c	67	b
14	c	32	d	50	b	68	d
15	a	33	b	51	b	69	b
16	b	34	c	52	b	70	d
17	c	35	d	53	c		
18	c	36	c	54	b		

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. 1789 ई. में घटित होने वाली फ्रांसीसी क्रांति किस देश से संबंधित है?

उत्तर- फ्रांस ।

2. बास्तील किले की जेल को क्यों तोड़ा गया ?

उत्तर- क्योंकि वहाँ गोला-बारूद मिलने की संभावना थी ।

3. फ्रांस सम्राट् लुई XVI का विवाह किसके साथ हुआ था?

उत्तर- ऑस्ट्रिया की राजकुमारी मेरी एन्तोएनेत ।

4. अप्रत्यक्ष कर किन वस्तुओं पर लगाया जाता था?

उत्तर- नमक और तम्बाकू जैसी रोजाना उपभोग की वस्तुओं पर अप्रत्यक्ष कर लगाया जाता था।

5. जीविका संकट क्या है?

उत्तर- ऐसी चरम स्थिति जब जीवित रहने के न्यूनतम साधन भी खतरे में पड़ने लगते हैं।

6. मॉन्तेस्क्यू ने अपनी रचना 'द स्पिरिट ऑफ द लॉज' में सरकार को कितने भागों में बाँटा है?

उत्तर- मॉन्तेस्क्यू ने सरकार को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका तीन भागों में बाँटा है।

7. लुई XVI ने कर क्यों बढ़ा दिये थे?

उत्तर- वर्साय महल के फिजूलखर्ची तथा अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में फ्रांस के हिस्सा लेने के कारण फ्रांस पर कर्ज बहुत बढ़ गया था।

8. 'अपनी पूँछ मुँह में लिए साँप' किसका प्रतीक है'?

उत्तर- 'अपनी पूँछ मुँह में लिए साँप'- अंगूठी की आकृति बनाती है, जिसका कोई ओर-छोर नहीं होता है, इसलिए यह समानता का प्रतीक है।

9. 1792 ई. में नेशनल असेंबली ने प्रशा एवं ऑस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा का प्रस्ताव क्यों पारित किया?

उत्तर- लुई XVI प्रशा और ऑस्ट्रिया के साथ गुप्त वार्ता चला रहा था, इसीलिए इन दोनों देशों के खिलाफ 1792 ई. में नेशनल असेंबली ने युद्ध की घोषणा का प्रस्ताव पारित किया था।

10. यूरोप में सामंती व्यवस्था का नाश कैसे हुआ?

उत्तर- फ्रांसीसी क्रांति के सबसे महत्वपूर्ण विरासत स्वतंत्रता और जनवादी अधिकारों के विचार उन्नीसवीं सदी में फ्रांस से निकल कर बाकी यूरोप में फैले और इनके कारण सामंती व्यवस्था का नाश हुआ।

11. जैकोबिन राजनीतिज्ञ शोमेत ने किन आधारों पर महिला क्लबों को बंद करने को उचित ठहराया?

उत्तर- शोमेत का मानना था कि महिलाएँ सिर्फ गृहस्थी संबंधी कार्य तथा मातृत्व के दायित्व को निभाये न कि राजनीतिक कार्य करें ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उन्नीसवीं और बीसवीं सदी की दुनिया के लिए फ्रांसीसी क्रांति कौन-सी विरासत छोड़ गई?

उत्तर- फ्रांसीसी क्रांति ने लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र के सिद्धांत से अवगत कराया। यह भावना धीरे-धीरे विश्व के अन्य हिस्सों में पहुँच गई जिससे विश्व और यूरोप के बाकी देश भी एक एक करके आधुनिक राष्ट्र के रूप में उभरने लगे। उपनिवेशी शक्तियों के साथ लोकतंत्र, उदारवाद और आजादी की भावना, उपनिवेशों में भी पहुँची। इससे प्रभावित होकर उपनिवेश के लोगों ने अपना हक माँगना शुरु किया। हम कह सकते हैं कि आधुनिक दुनिया में हम जिस तरह से लोकतंत्र एवं राष्ट्रवाद का प्रसार देख रहे हैं वह फ्रांसीसी क्रांति की देन है।

2. उन जनवादी अधिकारों की सूची बनाएँ जो आज हमें मिले हुए हैं और जिनका उद्गम फ्रांसीसी क्रांति में है?

उत्तर- फ्रांसीसी क्रांति ने निम्न जनवादी अधिकार को जन्म दिया जिसका उपयोग लगभग विश्व के सभी लोकतान्त्रिक देशों में नागरिकों द्वारा किया जा रहा है:- संपत्ति का अधिकार, समानता का अधिकार, भाषण तथा विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार, अपनी सुरक्षा का अधिकार, किसी भी तरह के दमन के विरोध करने का अधिकार, यह सारे अधिकार हमें फ्रांसीसी क्रांति से मिलें

हैं, इन अधिकारों के द्वारा समानता, स्वतंत्रता तथा लोकतंत्र की अवधारणा को स्थापित किया गया । यूरोप में फ्रांस की क्रांति के बाद पूरे यूरोप में फैली क्रांति ने इन अवधारणाओं से पूरे विश्व को जागरूक किया। हमारे संविधान में हमें मिले कुछ मौलिक जनवादी अधिकार भी ऐसी क्रांति से प्रेरित रहें हैं ।

3. क्या आप इस तर्क से सहमत हैं कि सार्वभौमिक अधिकारों के संदेश में नाना अंतर्विरोध थे?

उत्तर- हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ कि सार्वभौमिक अधिकारों के संदेश में नाना अंतर्विरोध थे, नागरिक अधिकार घोषणापत्र के कई आदर्श अस्पष्ट अर्थों से भरे पड़े थे। जैसे “समाज के लिए किसी भी हानिकारक कृत्य पर पाबंदी लगाने का अधिकार कानून के पास है” में किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक आरोप के बारे में कुछ नहीं कहा गया था। घोषणापत्र के अनुसार 'कानून सामान्य इच्छा की अभिव्यक्ति है’। सभी नागरिकों को व्यक्तिगत रूप से या अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से इसके निर्माण में भाग लेने का अधिकार है। कानून की नज़र में सभी नागरिक समान हैं। लेकिन फ्रांस के संवैधानिक राजतंत्र बनने के बाद महिलाएँ, पुरुष जो पर्याप्त कर देने में असमर्थ थे तथा जिनकी उम्र 25 वर्ष से छोटी थी ऐसे लाखों व्यक्तियों को वोट देने से वंचित कर दिया गया।

अतः इन सार्वभौमिक अधिकारों में गरीबों एवं महिलाओं को कुछ भी नहीं दिया गया। संविधान केवल उच्च वर्ग के लिए सीमित रह गया।

4. फ्रांसीसी समाज के किन तबकों को क्रांति का फ़ायदा मिला? कौन-से समूह सत्ता छोड़ने के लिए मजबूर हो गए? क्रांति के नतीजों से समाज के किन समूहों को निराशा हुई होगी?

उत्तर- फ्रांस की क्रांति से सबसे अधिक लाभ पढ़े-लिखे धनी मध्य वर्ग को पहुंचा। राज परिवार, पादरी तथा कुलीन वर्ग को सत्ता छोड़ने के लिए विवश किया गया। क्रांति के परिणामों से वहाँ की महिलाओं को निराशा का सामना करना पड़ा।

5. जैकोबिन क्लब क्या है? इसके सर्व प्रमुख नेता का नाम बताएँ?

उत्तर- फ्रांस की क्रांति के समय फ्रांस में घरेलू राजनीति में कुछ नए तत्व उठ खड़े हुए। कुछ राजनैतिक विचारधारा उठ खड़ी हुई। ये विधानसभा तक से प्रतिस्पर्द्धा करने लगी। इनमें जैकोबिन क्लब अधिक विख्यात थे। जैकोबिन क्लब में विधानसभा के अनेक सदस्य तथा पेरिस के नागरिक सम्मिलित थे। इस क्लब की बैठकें नियमित रूप से होती थी। इसमें बड़े गर्मजोशी के साथ अपनी बात रखते थे। रोबस्पियर इस क्लब का प्रसिद्ध नेता था। फ्रांस के लगभग दो हजार नगरों एवं गाँवों में इस क्लब की शाखाएँ फैली हुई थी। सभी शाखाएँ पेरिस के केन्द्रीय क्लब के आदेशों का पालन करती थी। विधानसभा पर इसका प्रभाव कायम हो गया था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. फ्रांस में क्रांति की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई?

या

फ्रांस की राज्य क्रांति के कारणों पर चर्चा करें?

उत्तर- 14 जुलाई, 1789 ई. की सुबह पेरिस नगर के पूर्वी भाग में बस्तील किले की जेल को तोड़कर फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत हुई। इस क्रांति के कारण निम्नलिखित थे:-

(i) **राजा लुई सोलहवां :-** 1774 ई. में बुर्बो राजवंश का शासक लुई सोलहवां फ़्रांस की राजगद्दी पर बैठा। उसके राज्यारोहण के समय राजकोष खाली था। लम्बे युद्ध,राज दरबार के शानोशौकत, रानी के भोग विलास की प्रवृति से स्थिति और ख़राब हो गयी । राजा का अपने अधिकारियों पर भी कोई नियंत्रण नहीं था ।

(ii) **सामाजिक असमानता:-** फ्रांस का समाज तीन एस्टेट्स में बँटा हुआ था- पादरी वर्ग, कुलीन वर्ग एवम् साधारण सर्वहारा वर्ग । पादरी वर्ग और कुलीन वर्ग को अनेक विशेषाधिकार प्राप्त थे । 60 प्रतिशत से अधिक कृषि योग्य भूमि इन 10 प्रतिशत लोगों के पास थी । 90 प्रतिशत जनसंख्या वाले सर्वहारा वर्ग को कोई राजनीतिक एवम् सामाजिक अधिकार प्राप्त नहीं था। अतः क्रांति अवश्यंभावी थी ।

(iii) **आर्थिक कारण:-** फ्रांस द्वारा अनेक युद्धों में भाग लेने के कारण देश की आर्थिक व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमरा गयी थी । कर का बोझ केवल तीसरे एस्टेट्स के लोगों पर था ।

(iv) **दार्शनिकों तथा लेखकों के विचारों का प्रभाव:-** फ्रांस जैसी दशा यूरोप के लगभग सभी देशों में थी। फ्रांस के दार्शनिकों और लेखकों के क्रांतिकारी विचारों के परिणाम स्वरुप फ्रांस में ही सबसे पहले क्रांति हुई। फ्रांस के लेखकों एवं दार्शनिकों के विचारों ने राज्य के खिलाफ क्रांति की भावना का बीजारोपण किया। इनमें मॉन्तेस्क्यू, वॉल्टेयर, रूसो आदि दार्शनिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(v) **तात्कालिक कारण:-** सम्राट ने 5 मई 1789 ई. को नए करों के प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए प्रतिनिधि सभा की एक बैठक बुलाई। प्रतिनिधि सभा के नियमों के अनुसार प्रत्येक वर्ग को एक मत देने का अधिकार था, परन्तु तीसरे वर्ग के प्रतिनिधियों ने मांग रखी कि इस बार पूरी सभा द्वारा मतदान कराया जाना चाहिए। प्रस्ताव को सम्राट ने अस्वीकार कर दिया। वे सभा से बाहर निकल गए और अपने आपको नेशनल असेंबली घोषित कर दिए और शपथ ली कि सम्राट की शक्तियों पर निरंकुश लगायेंगे और असमानता ख़त्म करेंगे।

2. नेपोलियन के उदय को कैसे समझा जा सकता है?

उत्तर- नेपोलियन की गणना विश्व के महान विजेताओं तथा श्रेष्ठ शासकों में होती है । 1795 ई. के पश्चात फ्रांस में घटित प्रत्येक घटना का केंद्र बिंदु नेपोलियन रहा। नेपोलियन ने कहा था, "मुझे फ्रांस का राजमुकुट धरती पर पड़ा मिला और तलवार की नोक से मैंने उसे उठा लिया।" यह एक कथन उसके उत्थान की कहानी का संक्षेप में वर्णन करता है। 1804 ई. से 1814 ई. तक उसने जो विस्मयकारी सफलता प्राप्त की उसे ध्यान में रखकर ही हेजन ने लिखा है, "इस पूरे इतिहास का केंद्र बिंदु नेपोलियन था, जिसकी महत्वाकांक्षा उतनी ही ऊँची थी जितने कि आकाश के तारे। उस दशक में उसके व्यक्तित्व का सारे यूरोप में कोई दूसरा नहीं था।

नेपोलियन बोनापार्ट का जन्म 15 अगस्त 1769 ई. को कॉर्सिका द्वीप के नगर अजाकिओ में हुआ था। नेपोलियन बोनापार्ट के पिता का नाम "कार्लो बोनापार्ट" था, और वह "रोमन कैथोलिक" धर्म को मानने वाला था, उनकी माता का नाम "लेटीजिए रमोलिनो" था। नेपोलियन के पूर्वज फ्लोरेंस (इटली)

के निवासी थे। 1529 ई. में वे कॉर्सिका में आकर बस गए थे। नेपोलियन के जन्म के समय 1769 ई. में ही फ्रांस ने कॉर्सिका द्वीप खरीदा था। इस समय कॉर्सिका वासी अपने देश की स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहे थे। नेपोलियन के पिता भी स्वाधीनता संघर्ष के प्रमुख सेनानी थे। नेपोलियन को अपने पूर्वजों द्वारा कॉर्सिका के लिए किए गए कार्यों के प्रति गर्व था।

28 अक्टूबर 1785 ई. को नेपोलियन फ्रेंच तोपखाने के सैन्यदल में सेकंड लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त हुआ था। वह कठोर परिश्रम में विश्वास करता था । 1788 ई. में उसने अपनी माँ को लिखा था," मेरे पास यहाँ काम करने के अलावा कोई और साधन नहीं है।"

1789 ई. में जब फ्रांस में क्रांति हुई, नेपोलियन अपने भाई जोसेफ के साथ कॉर्सिका को मुक्त कराने के आंदोलन में कूद पड़ा । इसी बीच 30 नवंबर 1789 ई. में कॉर्सिका को फ्रांस का अंग बना दिया गया। जिससे नेपोलियन के विचार भी फ्रांस के प्रति बदल गए।

नेपोलियन को आधुनिक युग का सबसे महान व्यक्ति माना जाता है। साधारण परिवार में जन्मे नेपोलियन ने अपनी असाधारण योग्यता के बल पर एक सैनिक के पद से उन्नत्ति प्राप्त करते हुए फ्रांस का सम्राट बना। यह उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी। विद्वानों का कहना है कि— "नेपोलियन एक असाधारण चरित्र व योग्यता वाला व्यक्ति था जो किसी भी देश में किन्हीं भी परिस्थितियों में अपने चरम सीमा पर पहुँच सकता था।"

नेपोलियन ने अपनी असाधारण विजयों से लगभग संपूर्ण यूरोप को प्रभाव क्षेत्र में ले लिया था । इस प्रकार फ्रांस के प्रति सम्मान को उसने उत्कर्ष की चरम सीमा पर पहुँचाया । कहा जाता है कि वह अपने शत्रुओं में भी लोकप्रिय था । अपने कार्यों से नेपोलियन ने, न केवल फ्रांस को अपितु पूरे विश्व को प्रभावित किया । इसी कारण 1799 ई. से 1814 ई. के समय को नेपोलियन युग के नाम से जाना जाता है ।

नेपोलियन अत्यधिक महत्वकांक्षी व्यक्ति था। उसने अपनी अभिलाषा को पूर्ण करने के लिए निरंतर युद्ध किए। इन युद्धों में उसके सैनिकों ने उसका साथ दिया। नेपोलियन के बारे में यह कहा जा सकता है कि— "नेपोलियन जैसा व्यक्तित्व ना तो किसी ने देखा है और न ही आने वाले कई शताब्दियों में ऐसा असाधारण व्यक्ति जन्म ले सकेगा।"

3. फ्रांस की राज्य क्रांति के क्या परिणाम थे? चर्चा करें-

उत्तर- फ्रांस की क्रांति एक युगांतकारी घटना थी। इसने पुरातन व्यवस्था को नष्ट कर नए युग के आगमन का मार्ग प्रशस्त कर दिया। इस क्रांति से न सिर्फ फ्रांस, बल्कि संपूर्ण विश्व प्रभावित हुआ। इस क्रांति के प्रमुख परिणाम निम्नलिखित थे-

(i) **सामंती व्यवस्था की समाप्ति:-** फ्रांस की क्रांति ने सामंती व्यवस्था को समाप्त कर दिया। सामंतों के विशेषाधिकार समाप्त कर दिए गए। इससे सबसे बड़ी राहत किसानों को मिली। उनका शोषण समाप्त हो गया ।

(ii) **राजतंत्र की समाप्ति:-** 1789 ई. की फ्रांस की क्रांति ने फ्रांस में राजतंत्र को समाप्त कर दिया। राजा को गद्दी से हटाकर उसे मृत्युदंड दिया गया। फ्रांस में गणतंत्रात्मक व्यवस्था लागू की गई ।

(iii) **प्रशासनिक परिवर्तन:-** फ्रांस की क्रांति की एक महत्त्वपूर्ण देन यह थी कि इसने राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से फ्रांस को एक इकाई में परिवर्तित कर दिया। पुरानी प्रशासनिक व्यवस्था समाप्त कर दी गई। सम्पूर्ण देश में एक प्रकार की शासन-व्यवस्था, एक तरह के आर्थिक नियम, एक ढंग की माप-तौल की प्रणाली एवं एक प्रकार का कानून लागू किया गया।

(iv) **राजनीतिक चेतना का विकास:-** 1789 ई. की क्रांति ने जनसाधारण में भी राजनीतिक चेतना जगा दी। यद्यपि यह एक मध्यवर्गीय क्रांति थी तथापि जनसाधारण ने भी इसमें भाग लिया। यह विश्व इतिहास की पहली घटना थी जब सर्वसाधारण ने राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए आंदोलन किया। क्रांति के नेताओं ने साधारण जनता का सहयोग प्राप्त करने के लिए अपने विचारों का प्रचार किया। इससे सर्वसाधारण में राजनीतिक चेतना का विकास हुआ। पहले जनसाधारण राजनीति में कोई रुचि नहीं लेता था, परंतु 1789 ई. की क्रांति के बाद परिस्थितियाँ बदल गई।

(v) **राष्ट्रीयता की भावना का उदय-** फ्रांस की क्रांति ने नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना जगा दी। अब वे अपने को एक राष्ट्र के रूप में देखने लगे। क्षेत्रीयता की भावना विलुप्त हो गई। वे एकजुट होकर तानाशाही और शोषण के विरुद्ध खड़े हो गए तथा पुरातन व्यवस्था के स्थान पर नई व्यवस्था की स्थापना में लग गए।

(vi) **स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना का उदय-** 1789ई. की क्रांति ने यूरोप के सामने एक नया सिद्धांत रखा। यह था-स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व (Liberty, Equality and Fraternity) का सिद्धांत । यह सिद्धांत यूरोप के अन्य देशों के लिए भी अनुकरणीय बन गया। इसी के आधार पर अनेक यूरोपीय राष्ट्रों में क्रांतियाँ हुई।

(vii) **नागरिक स्वतंत्रता की स्थापना-** फ्रांस की क्रांति के फलस्वरूप नागरिकों की स्वतंत्रता का सिद्धांत स्वीकार कर लिया गया। अब फ्रांस में न तो शासक वर्ग और न ही शासित वर्ग था। सभी नागरिक एकसमान माने गए। उन्हें विचार - अभिव्यक्ति और चुनावों में भाग लेने की स्वतंत्रता मिली। सरकारी नौकरियाँ अब योग्यता के आधार पर सबों के लिए उपलब्ध थीं। कर मनमाने ढंग से नहीं, बल्कि कानून के अनुकूल वसूलने की व्यवस्था हुई। नागरिकों को न्यायिक स्वतंत्रता भी मिली।

(viii) **धार्मिक स्वतंत्रता-** क्रांति के पूर्व फ्रांस में रोमन कैथोलिक चर्च का व्यापक प्रभाव था। यह वस्तुतः राजधर्म था। राजा चर्च का हिमायती था। गैर-कैथोलिकों पर अत्याचार होते थे। क्रांति के बाद लोगों को धार्मिक स्वतंत्रता मिली। राज्य का धार्मिक मामलों पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया। फ्रांस में धार्मिकसहिष्णुता की नीति अपनाई गई। फ्रांस धर्मनिरपेक्ष राज्य बन गया। यह 1789 ई. की क्रांति की महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

(ix) **समाजवाद का आरंभ-** फ्रांसीसी क्रांति ने समाजवाद का बीजारोपण कर दिया। जैकोबिनों ने बहुसंख्यक गरीबों को

अनेक सुविधाएँ दीं। अमीर-गरीब का भेद मिटाने का प्रयास हुआ। खाद्य पदार्थों के मूल्य निर्धारित किए गए।

(x) **शैक्षणिक व्यवस्था में परिवर्तन-** 1789 ई. के पूर्व शैक्षणिक व्यवस्था पर भी चर्च का ही अधिकार था। पादरी ही शिक्षा देने का काम करते थे। क्रांति के बाद शिक्षा देने का दायित्व सरकार ने अपने ऊपर ले लिया। फलतः, धार्मिक शिक्षा के स्थान पर राज्य ने ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा को बढ़ावा दिया।

(xi) **नेपोलियन का कानून-संग्रह (नेपोलियन कोड)-** क्रांति के बाद जब सत्ता नेपोलियन के हाथों में आई तो उसने फ्रांस में प्रचलित कानूनों का संकलन करवाया। यह संकलन नेपोलियन कोड के नाम से विख्यात है। इसके द्वारा एक विधि-संहिता तैयार की गई। इसका अनुकरण अन्य यूरोपीय राष्ट्रों ने भी किया। नेपोलियन की विधि-संहिता फ्रांसीसी क्रांति की अमूल्य देन है।

(xii) **नया राष्ट्रीय कैलेंडर-** क्रांति के परिणामस्वरूप फ्रांस में एक नया राष्ट्रीय कैलेंडर गणतंत्र की स्थापना के दिन (22 सितंबर 1792 ई.) से लागू किया गया। इसमें वर्ष को ऋतुओं के आधार पर बारह महीनों में बाँटा गया।